समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 26 August 2026

मॉनसून की शुरुआत होते ही दिल्ली मे संब्जियों के दाम 150% तक उछले, लाल हुआ टमाटर।

Publisher

Published on 14 Jul 2025

आजादपुर मंडी मे हंरी सब्जियों से लेकर टमाटर तक के दामों मे भारी उछाल, बारिश से फसल और सप्लाई पर असर, रसोई का बजट डगमगाया।

नई दिल्ली : जैसे ही देश में मॉनसून की बारिश ने दस्तक दी, **राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली मे संब्जियों की कीमतों मे अंचानक जबरदस्त उछाल** देखने को मिला है। टमाटर, जो कुछ हफ्ते पहले तक **₹20 प्रति किलो** बिक रहा था, **अब ₹50 से ₹60 प्रति किलो** में बिक रहा है। वहीं, हरी सब्जियों के भाव **120 से 160 रुपये प्रति किलो** तक पहुंच चुके हैं।

सब्जियों की कीमतों मे कितना हुआ इज़ाफा ?

आजादपुर मंडी और **दिल्ली की अन्य स्थानीय मंडियों** में सब्जियों के **दामों मे 30% से लेकर 150% तक** की तेजी दर्ज की गई है। यहां जानिए किन सब्जियों के दाम सबसे ज़्यादा बढ़े:

सब्जी का नाम	पुराना रेट (₹/किलो)	नया रेट (₹/किलो)
टमाटर	₹20-25	₹50-60
फूलगोभी	₹60-70	₹140-160
भिंडी	₹40-50	₹70-90
लौकी, तुरई	₹30-40	₹60-80
पत्ता गोभी	₹35-45	₹70-75

बारिश ने सप्लाई चेन पर डाला असर

सब्जी कारोबारियों के अनुसार, **उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक** से सब्जियों की आपूर्ति में भारी कमी आई है। बारिश के चलते:

१. **खेतों मे खंड़ी सब्जियों को नुकसान**

२. **माल की ढुलाई मे देरी**

३. **कुछ मार्गों पर भूस्खलन और जलभराव**

४. **आजादपुर मंडी** के एक व्यापारी के अनुसार, "उत्तराखंड में भारी बारिश के कारण फूलगोभी, हरी मिर्च और मटर की सप्लाई बुरी तरह प्रभावित हुई है।"

कहां से आती है दिल्ली की सब्जियां ?

१. **टमाटर और शिमला मिर्च:** कर्नाटक

२. **फूलगोभी, कुंदरू, हरी मिर्च:** उत्तराखंड

३. **बंदगोभी और टमाटर :** हिमाचल प्रदेश

इन क्षेत्रों में मॉनसून की वजह से सप्लाई चेन बाधित होने से कीमतों में असामान्य वृद्धि हुई है।

आगे क्या हो सकता है ?

मौसम विभाग के मुताबिक, अगले कुछ हफ्तों में बारिश और तेज हो सकती है, जिससे कीमतें और ऊपर जा सकती हैं। आम लोगों की जेब पर सीधा असर पड़ रहा है और रसोई का बजट बिगड़ रहा है।

ऐसी ही देश और दुनिया की बड़ी खबरों के लिए फॉलो करें: www.samacharwani.com

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.